भारत सरकार
खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3752
16 जुलाई, 2019 को उत्तर देने के लिए

आलू प्रसंस्करण इकाइयां

3752. श्री राजकुमार चाहरः

क्या **खाद्य प्रसंस्करण उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या मंत्रालय इस बात को समझते हुए कि उत्तर प्रदेश के फतेहपुर सीकरी में अत्यधिक मात्रा में आलू उत्पादन होता है लेकिन वहां एक भी खाद्य प्रसंस्करण इकाई नहीं है, वहां कोई खाद्य प्रसंस्करण इकाई स्थापित करने की योजना बना रही है;

(ख) क्या इस आलू को खाद्य प्रसंस्करण में उपयोग करने हेतु कोई व्यवहार्यता अध्ययन कराया गया है जिससे इसको भारतीय और विदेशी बाजारों में लाया जा सके और किसान इस आलू को दूर-दराज के इलाकों में जाकर बेचने की जगह अपना मुनाफा बढ़ा सकें; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

<u>उत्तर</u>

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री
(श्री रामेश्वर तेली)

(क): मंत्रालय किसी भी खाद्य प्रसंस्करण यूनिट की स्थापना स्वयं नहीं करता है । बल्कि यह प्रधान मंत्री किसान सम्पदा योजना (पीएमकेएसवाई) की अम्ब्रेला स्कीम के अंतर्गत खाद्य प्रसंस्करण यूनिटों की स्थापना के लिए सहायता प्रदान करता है । ऑपरेशन ग्रीन्स स्कीम (पीएमकेएसवाई के अंतर्गत) के तहत टमाटर, प्याज तथा आलू (टीओपी) के एकीकृत मूल्य श्रृंखला विकास की परिकल्पना की गई है । इस स्कीम के अंतर्गत चिह्नित क्लस्टरों में परियोजनाओं की स्थापना का उपबंध है । फतेहपुर सिकरी, आगरा जिले में है जो ऑपरेशन ग्रीन्स स्कीम के अंतर्गत चिह्नित क्लस्टरों में से एक है ।

(ख)और(ग): केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अधीन) ने आलू की प्रसंस्करण योग्य घरेलू प्रजातियों का विकास किया है । इसके परिणामस्वरूप पिछले कुछ समय से आलू के प्रसंस्करण के स्तर में बढ़ोत्तरी हुई है । भारत में आलू के प्रसंस्करण के कार्य में कई भारतीय एवं बहु-राष्ट्रीय कंपनियां कार्यरत हैं ।

*****